Dr. Vinod Baitha
Deptt of Economics
Marwari college
Darbhanga.

मांग का नियम
Law of Demand

अर्थशास्त्र में प्रभाव पूर्ण मांग का महत्वपूर्ण स्थान है प्रभावपूर्ण इच्छा को ही मांग कहा जाता है लेकिन सामान्य अर्थों में वस्तु की इच्छा को लोग मांग के रूप में जानते है लेकिन अर्थशास्त्र में केवल वस्तु की इच्छा मांग का रूप धारण नहीं कर सकती इसके लिए प्रभावपूर्ण इच्छा का होना आवश्यक है इच्छा मांग मांग का रूप तभी धारण कर सकती है। जब वस्तु को खरीदने के लिए आवश्यक साधन हो। साधन को व्यय करने की तत्परता हो।

मांग का नियम वस्तु की कीमत तथा उसकी मांग की जाने वाली मात्रा के बीच के संबंध को व्यक्त करता है। जब वस्तु की कीमत अधिक होती है तब वस्तु की मांग कम तथा जब वस्तु की कीमत घट जाती है तब वस्तु की मांग बढ़ जाती है इस तरह मांग का नियम वस्तु की कीमत तथा उसकी मांग के बीच विपरित सम्बंध को व्यक्त करता है। प्रो० मार्शल ने मांग के नियम की परिभाषा इस प्रकार दी है "मूल्य में कमी होने से मांग की मात्रा बढ़ती है तथा मूल्य में वृद्धि होने से मांग की मात्रा कम होती है। The amount demanded increases with a fall in price and diminishes with a rise in price. उन्होने इस संबंध में कहा है कि वस्तु की अधिक मात्रा बेचनी है तो कीमत अवश्य ही कम होना चाहिए। ताकि अधिक ग्राहक खरीद सके। इसलिए, जब वस्तु की कीमत कम होती है तब मांग अधिक तथा कीमत ऊँची होती है तब मांग कम। Lower the price higer the demand, and higher the price lower the demand,

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर मांग के नियम को उदाहरण द्वारा भी स्पष्ट किया जा सकता है। मान लिया जाय की बाजार में गेहूँ की कीमत 8 रुपये प्रति किलोग्राम है तो कोई व्यक्ति 6 किलोग्राम की मांग करता है लेकिन जब कीमत घटकर 6 रुपये प्रतिकिलोग्राम हो जाती है तो गेहूँ की मांग बढ़कर 10 किलोग्राम हो जाती है। यदि कीमत में और कमी आती है तो मांग बढ़कर 15 किलोग्राम हो जाती है। इस उदाहरण को तालिका द्वारा भी दर्शाया जा सकता है।

गेहूँ की कीमत	मांग की मात्रा
8 रुपये प्रति किलोग्राम	6 किलोग्राम
6 रुपये प्रति किलोग्राम	10 किलोग्राम
4 रुपये प्रति किलोग्राम	15 किलोग्राम

दुसरी ओर यदि मूल्य में वृद्धि होती है तो उसकी मांग घट जाती है।

Scanned by CamScanner

गेहूँ की कीमत	मांग की मात्रा
4 रु० प्रति किलोग्राम	15 किलोग्राम
6 रु० प्रति किलोग्राम	10 किलोग्राम
8 रु० प्रति किलोग्राम	6 किलोग्राम

उपर्युक्त तालिका में दिखाए गए उदाहरण को रेखा चित्र द्वारा भी मांग के नियम को स्पष्ट किया जा सकता है।

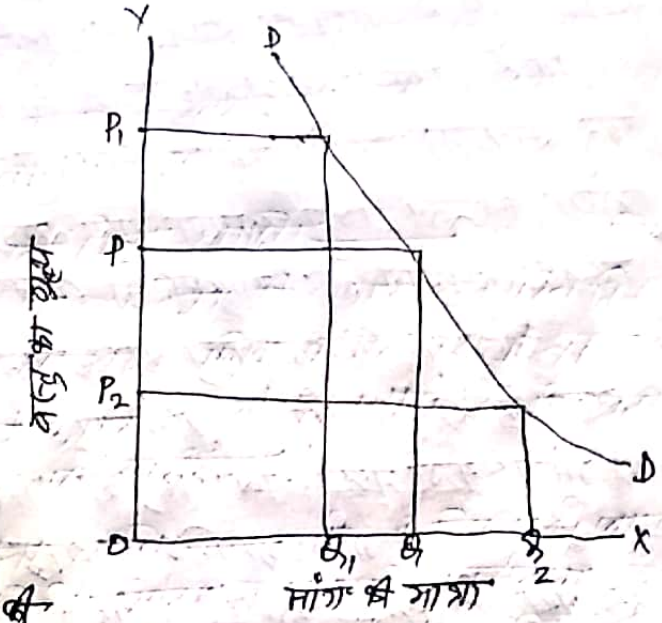

रेखा चित्र में OX अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY अक्ष पर वस्तु की कीमत को दर्शाया गया है DD मांग की रेखा है चित्र से स्पष्ट होता है जब वस्तु का मूल्य OP है तो वस्तु की मांग OQ के बराबर है। लेकिन ज्योंही मूल्य घटकर OP_2 पर आ जाता है तो वस्तु की मांग बढ़कर OQ_2 के बराबर हो जाता है इसके विपरित जब वस्तु की कीमत बढ़कर OP_1 पर चली जाती है तब वस्तु की मांग में ह्रास होता है तथा वह घटकर OQ_1 हो जाती है इस प्रकार उपर्युक्त रेखा चित्र से स्पष्ट होता है कि वस्तु के मूल्य तथा उसकी मांग में विपरीत का संबंध होता है। मांग तथा मूल्य में विपरीत संबंध इस मान्यता पर आधारित है कि अन्य बातें पूर्ववत हैं।

उपर्युक्त रेखा चित्र तथा उदाहरण द्वारा यह स्पष्ट किया गया है; मूल्य घटने पर वस्तु की मांग में वृद्धि होती है जबकि मूल्य में वृद्धि होने पर वस्तु की मांग घट जाती है। मांग की रेखा इसी कारण बाएँ से दाएँ नीचे की ओर झुकी होती है प्रो० हिक्स ने मांग के नियम का निष्कर्ष निकालते हुए कहा है कि "जब कीमत में कमी आती है तब वस्तु की मांग की रेखा नीचे की ओर झुकी होती है।

मांग के नियम के लागू होने के कारण निम्नलिखित हैं।

1. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम ——— मांग के नियम लागू होने के महत्वपूर्ण कारण सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम है इस नियम के अनुसार जब कोई व्यक्ति किसी वस्तु की अधिक इकाईयों को खरीदता है। तब उससे मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता लगातार घटती है

Scanned by CamScanner

इसलिए उपभोक्ता किसी वस्तु की अधिक इकाईयाँ तभी खरीदता है जब उसके मूल्य में कमी आती है यह इस बात को साबित करती है कि जब कीमत कम होगी तो मांग अधिक होगी तथा कीमत अधिक होने पर मांग कम होगी यही कारण है कि मांग की रेखा नीचे की ओर झुकती है।

2. आय-प्रभाव —— मांग के नियम का प्रभाव उपभोक्ता की आय पर पड़ता है जब किसी वस्तु की कीमत में कमी आती है तब उपभोक्ता की वास्तविक आय बढ़ जाती है। उसे अब उतनी वस्तु खरीदने के लिए कम खर्च करना पड़ता है इसे हिक्स ने मूल्य परिवर्तन का आय-प्रभाव कहा है उनके अनुसार "मूल्य कम होने पर उपभोक्ता उस वस्तु की अधिक इकाईयाँ खरीदता है दूसरी ओर यदि मूल्य में वृद्धि होती है तो उपभोक्ता की वास्तविक आय घट जाती है। तथा उपभोक्ता वस्तु की मांग को कम कर देता है मूल्य में कमी होने से वैसे बहुत लोग भी वस्तु खरीदने लगते हैं। जो लोग पहले नहीं खरीदते थे।

3. प्रतिस्थापन नियम —— मांग के नियम का तीसरा कारण प्रतिस्थापन का नियम है वस्तु की कीमत में कमी आने से सापेक्षिक मूल्य बदल जाता है मूल्य में कमी आने से वस्तु की मांग में वृद्धि होती है क्योंकि उस वस्तु का प्रतिस्थापन होता है जिसकी कीमत में कमी आई है। वैसी वस्तु के बदले जिसकी कीमत स्थिर है— हिक्स के अनुसार- There will be a tendency to substitute the commodity whose price has fallen for other commodities. ~~इससे~~ उन्होंने ने मूल्य में कमी का प्रतिस्थापन कहा है।

4. क्रेताओं की संख्या में कमी या वृद्धि —— जब वस्तु की कीमत घटती है तब खरीदारों की संख्या बढ़ जाती है क्योंकि अब कम आयवाले भी वस्तु खरीदने की स्थिति में होते हैं। अतः क्रेताओं की संख्या बढ़ने से वस्तु की मांग बढ़ जाती है। इसके विपरीत जब वस्तु की कीमत बढ़ जाती है तब क्रेताओं की संख्या में कमी हो जाती है। निम्न आयवाले लोग वस्तु को खरीदना छोड़ देते हैं।

5. वस्तु का विभिन्न प्रयोग —— जब वस्तु की कीमत घटती है तब वस्तु का प्रयोग कई रूपों में किया जाता है जैसे जब टमाटर की कीमत में कमी आती है तब सलाद के अलावा इसका प्रयोग सब्जी में डालने या, चटनी, ~~सॉस~~ आदि बनाने में करने लगते हैं।

Scanned by CamScanner

लेकिन जब वस्तु की कीमत बढ़ जाती है तब इसका व्यवहार आवश्यक कम के लिए ही किया जाता है। और जरूरी प्रयोग को बन्द किया जाता है।

मांग के नियम की मान्यताएँ या सीमाएँ निम्नलिखित हैं।

1. उपभोक्ता की रूची, पसंदगी तथा आदत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। — उपभोक्ता की रूची पसंदगी तथा आदत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए उदाहरण के लिए यदि रूची तथा पसंदगी बदल जाय तो मूल्य बढ़ने पर भी लोग उस वस्तु को खरीदेंगे। यदि वस्तु फैशन से हट जाय तो मूल्य घटने पर भी लोग उस वस्तु की मांग नहीं करेंगे। यदि किसी वस्तु की आदत उपभोक्ता को है तो अधिक मूल्य पर भी उस वस्तु को खरीदेगा तथा उसकी रूची समाप्त हो जाय तो कम मूल्य पर भी वह वस्तु को नहीं खरीदेगा।

2. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन नहीं होना चाहिए —— मांग के नियम को लागु होने के लिए यह भी जरूरी है कि उपभोक्ता की आय अपरिवर्तित रहे। यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि हो जाय तो वह अधिक कीमत पर भी वस्तु को खरीद सकता है दूसरी ओर उपभोक्ता की आय में कमी हो जाती है तो मूल्य में कमी होने पर भी वस्तु की अधिक मात्रा नहीं खरीदेगा।

3. जनसंख्या में परिवर्तन नहीं होना चाहिए —— मांग के नियम को लागु होने के लिए यह आवश्यक है कि जनसंख्या में कोई परिवर्तन न हो यदि जनसंख्या बढ़ जाय तो मूल्य बढ़ने पर भी वस्तु की मांग बढ़ सकती है या जनसंख्या में कमी हो जाय तो मूल्य घटने पर भी मांग नहीं बढ़ेगी।

4. स्थानापन्न वस्तुओं या संबंधित वस्तुओं के कीमत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। — स्थानापन्न या संबंधित वस्तुओं के कीमत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए यदि मसूर दाल की कीमत घट जाय। लेकिन उससे भी अधिक चना की दाल की कीमत घट जाय तो लोग चना दाल ही अधिक मात्रा में खरीदेंगे।

5. वस्तु के गुण या किस्म में परिवर्तन नहीं होना चाहिए — यदि वस्तु अच्छी किस्म की हो तो कीमत बढ़ने पर भी मांग की मात्रा बढ़ सकती है। इसके विपरीत यदि वस्तु खराब किस्म की है तो मूल्य कम रहने पर भी मांग की मात्रा अधिक नहीं होगी;

6. मौसम में परिवर्तन नहीं होना चाहिए —— मौसम में परिवर्तन होने पर भी मांग का नियम लागु नहीं होता, जाड़े में कम मूल्य पर भी बर्फ की मांग नहीं बढ़ती, जबकि ऊनी के कपड़े की कीमत अधिक होने पर भी जाड़े में उसकी मांग बढ़ जाती है; अतः मौसम में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

उपर्युक्त मांग के नियम की मान्यताएँ हैं उन्हीं मान्यताओं पर मांग का नियम आधारित है यदि इनमें से किसी भी शर्त में परिवर्तन होता है या धन के वितरण या नयी स्थानापन्न वस्तु का उत्पादन होता है तो मांग का नियम लागु नहीं होगा।

Scanned by CamScanner